महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पी.जी.) कॉलेज
फिरोजाबाद

(NAAC Accredited: B+ Grade)

सम्बद्धः डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ

सत्र– 2025–26

व्याख्यान

विषय–"वर्तमान समय में संस्कृत विषय की प्रासंगिकता"

दिनांक - 06.08.2025

प्रो0 प्रियदर्शिनी उपाध्याय
प्राचार्या

डॉ0 अनिता चौरसिया
संयोजिका

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्यान

दिनांक 06/08/2025 को महात्मा गांधी बालिका विद्यालय पी. जी. कॉलेज फिरोजाबाद में **भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ** के अंतर्गत **'वर्तमान समय में संस्कृत विषय की प्रासंगिकता'** विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. प्रियदर्शिनी उपाध्याय एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं डॉ. तुलसी देवी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या ने **अतिथि देवो भव।** की भारतीय परंपरा का अनुपालन करते हुए पुष्पगुच्छ प्रदान कर मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम की **मुख्य अतिथि डॉ. तुलसी देवी,** जो संस्कृत भाषा की परम विदुषी हैं, उन्होंने अपने प्रेरणादायी व्याख्यान में छात्राओं को भाषा के महत्व से परिचित कराते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम-से-कम पाँच भाषाओं का ज्ञान अवश्य होना चाहिए, क्योंकि भाषाओं के माध्यम से ही हम अपनी प्राचीन संस्कृति, परंपराओं एवं कलाओं को समझ सकते हैं। उन्होंने श्रावणी पूर्णिमा को ही संस्कृत दिवस मनाए जाने के कारणों को विस्तारपूर्वक स्पष्ट

Scanned with OKEN Scanner

किया। साथ ही संस्कृत भाषा में निहित अपार ज्ञानराशि और आधुनिक समय में इससे जुड़ी रोजगार की विविध संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में संगीत विभाग की सहायक प्राध्यापिका **डॉ. निष्ठा शर्मा** ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के पारस्परिक संबंध को रेखांकित किया तथा छात्राओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं महाविद्यालय की **प्राचार्या प्रो. प्रियदर्शिनी उपाध्याय** ने संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता पर सारगर्भित चर्चा करते हुए बताया कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं, बल्कि तर्क, विज्ञान और संरचना की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध एवं आधुनिक संदर्भों में भी पूर्णतः उपयोगी भाषा है।

Scanned with OKEN Scanner

कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन **प्रकोष्ठ की प्रभारी एवं कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अनिता चौरसिया** द्वारा किया गया। अंत में हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका **डॉ. दीपा कनौजिया** ने हिंदी भाषा के साथ उसके मूल स्वरूप संस्कृत भाषा के समन्वयात्मक संदर्भों में अपनी स्वयं के अनुभव को सभी के साथ साझा करते हुए वर्तमान समय में रोजगार की दृष्टि से हिंदी के साथ संस्कृत की विषय की अनिवार्यता को स्पष्ट किया। साथ ही कार्यक्रम समापन की अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Scanned with OKEN Scanner

इस आयोजन को सफल बनाने में **श्रीमती प्रज्ञा केसरवानी, डॉ. चर्चा** एवं **प्रीति सिंह पटेल** का सहयोग विशेष रूप से सराहनीय रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को संस्कृत भाषा की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक प्रासंगिकता से अवगत कराना तथा आधुनिक समय में संस्कृत से जुड़ी संभावनाओं के प्रति जागरूक करना था, जिसमें छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इसे अत्यंत ही सफल एवं सार्थक बना दिया।

प्राचार्या

प्रो0 प्रियदर्शिनी उपाध्याय

संयोजिका

डॉ0 अनिता चौरसिया

भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ

Scanned with OKEN Scanner